1

वंदन है

मेरी मातृभूमि को मेरा वंदन है,
इसकी मिट्टी धूल महकता चंदन है।

खेल-खेल जिसकी गोदी के पलने में,
रहा झूलता, पला, पैर पर खड़ा हुआ।
जिसके आसमान के नीचे आँचल में,
मैं नटखट, चंचल शिशु इतना बड़ा हुआ।
जिसने मेरे लिए सहा सब, कहा न कुछ,
सौ-सौ बार उसे मेरा अभिनंदन है।।1।।

हैं दुनिया में देश बहुत सुंदर, लेकिन
मेरी मातृभूमि की शोभा प्यारी है;
स्वर्गलोक की सुषमा-सुंदरता-गरिमा
एक-एक कर इसके सम्मुख हारी है।
हम सब की आशाओं, अभिलाषाओं की
कल्पलता वह, कल्पवृक्ष, नंदन वन है।।2।।

जब तक हूँ मैं रत्तीभर भी इस पर कोई,
किसी तरह की आँच नहीं आने दूँगा;
बालक हूँ पर वीर भरत का वंशज हूँ,
सिंहों के मुँह फाड़ दाँत दिखला दूँगा।
मेरे हाथ सुरक्षित भव्य मुकुट हिमगिरि
और सुरक्षित अडिग सिंधु-सिंहासन है।।3।।

मैं रोली से नहीं, उसी की मिट्टी से
तिलक लगाता हूँ अपने माथे पर;
यों तो है मेरा नाता सब दुनिया से
पर गर्व मुझे है इसके नाते पर।
मैं जो कुछ हूँ सब इसका ही हूँ
इसको ही मेरा सर्वस्व समर्पण है।।4।।

- श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

ST. PETER'S SR. SEC. SCHOOL, JAORA

CLASS - VIII

SUBJECT - हिन्दी

पाठ - 1

वंदन है

विधा - कविता

कवि - श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

शब्दार्थ -

1. आभिनंदन - प्रणाम
2. सुषमा - सौंदर्य
3. रत्तीभर - थोड़ा
4. सर्वस्व - सब कुछ
5. अभिलाषा - चाह, इच्छा
6. कल्पवृक्ष - देवताओं के नंदन वन का एक वृक्ष
7. भरत - शकुंतला और दुष्यंत का बेटा
8. वंशज - वंश में जन्म लेने वाला

Radiant

Date: / / Page:

1. सोचो और बताओ -

(क) स्वर्ग से भी सुंदर किसे बताया गया है ?

उ॰ स्वर्ग से भी सुंदर अपनी मातृभूमि को बताया गया है।

(ख) कवि किस बात पर गर्वित होकर कहता है, 'यह मेरी मातृभूमि है' ?

उ॰ कवि इस बात पर गर्वित होकर कहता है कि 'यह मेरी मातृभूमि है' क्योंकि उसे विश्व के सभी देश सुंदर लगते हैं किन्तु अपनी मातृभूमि की शोभा ही न्यारी है।

(ग) कल्पवृक्ष की क्या विशेषता होती है ?

उ॰ कल्पवृक्ष की यह विशेषता होती है कि वह इच्छित फल को देने वाला होता है।

(घ) कवि किस नाते पर गर्व करता है ?

उ॰ कवि मातृभूमि से अपने नाते पर गर्व करता है।

(ङ.) कवि किसे सर्वस्व समर्पित करना चाहता है ?

उ॰ कवि अपनी मातृभूमि को सर्वस्व समर्पित करना चाहता है।

2. लिखित -

(क) धरती हमारे लिए क्या-क्या सहन करती है ?

उ॰ धरती हमारे लिए वर्षा, गरमी, ठंड, भूकंप आदि सहन करती है।

(ख) स्वर्गलोक की सुषमा किससे हारी है और क्यों ?

उ॰ स्वर्गलोक की सुषमा मातृभूमि से हारी है क्योंकि मातृभूमि को कवि ने दुनिया में सबसे सुंदर बताया है।

(ग) सिंह का मुँह फाड़कर दाँत किसने दिखलाए थे ?

उ॰ सिंह का मुँह फाड़कर दाँत राजा दुष्यंत और शकुंतला के पुत्र 'भरत' ने दिखलाए थे।

(घ) भारत का भव्य मुकुट किसे कहा गया है ?

उ॰ भारत का भव्य मुकुट 'हिमालय' को कहा गया है।

(ङ) भारत का सिंहासन किसे कहा गया है ?

उ॰ भारत का सिंहासन 'समुद्र' को कहा गया है।

Radiant
Date: / / Page:

3. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ –

(क) _____ की धूल हमारे लिए चंदन के समान है।
(अ) मातृभूमि ☑ (ब) पहाड़ों ☐

(ख) हमारा अपना देश अन्य देशों से _____ है।
(अ) उजाला ☐ (ब) निराला ☑

(ग) जिसे अपनी मातृभूमि से _____ है, वह मनुष्य कहलाने योग्य नहीं है।
(अ) प्रेम ☐ (ब) दुश्मनी ☑

(घ) हमें मातृभूमि के लिए सब कुछ _____ करना होगा।
(अ) समर्पित ☑ (ब) असमर्पित ☐

(ङ) _____ की ममता का मोल चुकाया नहीं जा सकता।
(अ) माँ ☑ (ब) भाई ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो –

(क) हमें अपनी मातृभूमि से <u>प्रेम</u> होना चाहिए।

(ख) मातृभूमि से द्रोह करना घोर <u>अपराध</u> है।

(ग) हमारा कर्तव्य है कि किसी की क्रूर दृष्टि हमारी <u>मातृभूमि</u> पर न पड़े।

(घ) हमें अपनी मातृभूमि पर <u>गर्व</u> है।

भाषा कौशल

1. परिभाषा - जिन शब्दों के अर्थ समान होते हैं, उन्हें पर्यायवाची कहते हैं।

निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो -

आसमान - नभ व्योम अंबर

वृक्ष - पेड़ तरु विटप

वन - जंगल अरण्य कानन

सिंह - शेर नाहर वनराज

हिमगिरि - हिमवान हिमालय पर्वतराज

2. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाओ -

शिशु - शैशव सर्व - सर्वस्व बड़ा - बड़प्पन

सुंदर - सुंदरता वीर - वीरता - लड़का - लड़कपन

बच्चा - बचपन अपना - अपनापन

Radiant

Date: / / Page:

* "वंदन है" कविता का सार लिखो।

यह कविता "श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी" द्वारा लिखी गई है। इस कविता के माध्यम से कवि बालक के मन की भावना को व्यक्त करते हुए यह समझाना चाहते हैं कि वह रोली या चंदन का तिलक न लगाकर अपने माथे पर मातृभूमि (भारतमाता) की मिट्टी का तिलक लगाएगा क्योंकि वह उस मिट्टी को चंदन के समान मानता है। यद्यपि उसका संबंध पूरे विश्व से है किंतु उसे अपनी मातृभूमि के संबंध पर गर्व है। वह कहता है कि मेरा सब कुछ मातृभूमि का ही है इसलिए मैं अपनी मातृभूमि पर सब कुछ न्यौछावर करना चाहता हूँ।

* गृहकार्य (Home work)

प्र. 1. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ -

1 मातृभूमि -

2. सिंहासन -

3. अभिलाषा -

4. सुरक्षित -

5. समर्पण -

Radiant

Date: / / Page

प्र.2. "वंदन है" कविता की प्रथम आठ (First Eight) पंक्तियाँ याद करो।

प्र.3. संज्ञा की परिभाषा उदाहरण सहित याद करो।

प्र.4. संज्ञा के कितने भेद होते हैं ? उनके नाम याद करो।

प्र.5. पर्यायवाची शब्द की परिभाषा उदाहरण सहित याद करो।

N.J.
11/05/2020.